tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çs"kd % — Øekad 121
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh — fnukad 01-10-2017

---

tusÑfofo dk 5 n'kdksa dk xkSjo'kkyh bfrgkl gS
& çks- rkse j

tusÑfofo ds 54osa LFkkiuk fnol ij vk;kstuksa dh J`a[kyk

tcyiqj 01 vDVwcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में लगातार 7 दिन तक चलने वाले 54वें स्थापना दिवस समारोह की आज शानदार शुरूआत हुई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने बधाईयां देते हुये कहा कि हम खुशनसीब हैं जोकि उपलब्धियों से भरपूर विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाते हुए गदगद हैं। प्रो. तोमर ने कहा कि 1 अक्टूबर 1964 में तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री एवं देश की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी ने विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया था। पं. जवाहरलाल नेहरू, पूर्व राश्ट्रपति डॉ. प्रणब मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री श्री इंदकुमार गुजराल सहित अनेक नामचीन हस्तियों का यहां आगमन हुआ है। 1903 में पवारखेड़ा में देश का पहला कृशि अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया गया था। जबकि इसके बाद एग्रीकल्चर रिसर्च संस्थान पूसा बिहार 1905 में स्थापित हुआ। कृशि फार्म ग्वालियर 1919, कृशि फार्म चन्दनगांव 1920 तथा इंस्टीयूट आफ प्लान्ट इन्दौर 1924 से संचालित है। जनेकृविवि के पास 1554 हेक्टेयर का विशाल भू–क्षेत्र है जिसमें शिक्षा अनुसंधान और विस्तार की गतिविधियां संचालित हैं। इस मौके पर संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे ने विश्वविद्यालय के विगत 5 दशकों के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश ड़ालते हुए शिक्षा अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों का विश्लेशण किया। डॉ. खरे ने आगे कहा कि हमने हरित क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। विश्व में हम सोयाबीन राज्य के रूप में जाने जाते हैं वहीं विगत 10 वर्शो से देश में प्रजनक बीज उत्पादन में हम लगातार नंबर वन हैं। देश के अनेक राज्यों के वैज्ञानिक एवं अधिकारी यहां बीजोत्पादन की तकनीक का ज्ञानार्जन हेतु प्रशिक्षण ले रहे हैं। हमने सैकड़ों फसलों की उन्नत प्रजातियां तैयार की हैं जिनकी चर्चा विश्वभर में होती हैं। आज कृशि तकनीक इतनी आगे जा चुकी है कि हम मौसमानुकूल हर चुनौती का डटकर मुकाबला करने में सक्षम है। पूर्व में पं. जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, लेखानियंत्रक श्री अनिल केशरवानी, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. भारद तिवारी, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा, अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय, डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता एवं अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी सहित समस्त

अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. एल.पी.एस. राजपूत एवं आभार प्रदर्शन अधिश्ठाता कृशि संकाय एवं समन्वय समिति के अध्यक्ष डॉ. पी.के. मिश्रा ने किया।

स्थापना दिवस के दूसरे दिन आज 2 अक्टू. को राश्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लालबहादूर शास्त्रीजी की जयंती पर प्रातः 9.30 बजे से स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। 3 अक्टू. को अपरान्ह 3 बजे भावान्तर भुगतान योजना कृशकों के हित में विशय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता होगी। 4 अक्टू. को प्रातः 10 बजे विभागावार उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं पर प्रस्तुतिकरण होगा। 5 अक्टू. प्रातः 9.30 बजे वर्शा ऋतु में संपंन वृक्षारोपण में लगाये पौधों की निंदाई–गुड़ाई होगी। 6 अक्टू. को अपरान्ह 3 बजे एम.एस.सी. एवं पी.एच.डी. छात्रों की पोस्टर प्रतियोगिता होगी। 7 अक्टू. को प्रातः 11 बजे से श्री गौरीशंकर बिसेन कृशि मंत्री के मुख्यातिथ्य में स्थापना दिवस का मुख्य आयोजन आरंभ होगा। यहां मुख्य अतिथि द्वारा प्रक्षेत्र भ्रमण, कृशि प्रर्दशिनी/पोस्टर का अवलोकन एवं एम.बी.ए./स्टूडियो भवन का लोकार्पण करेंगे। पश्चात् 12 बजे कृशि महाविद्यालय सभागार में आयोजित भव्य समारोह में कृशकों एवं वैज्ञानिकों का सम्मान होगा।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyij
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çsd %
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh

Øekd 122
fnukd 02-10-2017

'kgj dk lUnj cukus ?kj d xeyk e Qy yxk;s & çk- rkej

tuÑfofo LFkkiuk fnol d nlj fnu

Ñf"k fo-fo- e dyifr u >kM yxkdj dh LoPNrk vfHk;ku dh 'kq:vkr

tcyij] 02 vDVcjA स्थापना दिवस के दूसरे दिन जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की। अपने उदबोधन में प्रो. तोमर ने शहर को सुन्दर बनाने घरों के गमलों में फूल, सब्जी और फलदार पौधों को लगाने का आव्हान किया। उन्होंने आगे कहा कि स्वच्छता हेतु धुम्रपान छोडे और तन मन की सफाई के साथ वातावरण को भी स्वच्छ रखें। इन मौके पर कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, लेखानियंत्रक श्री अनिल केशरवानी, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. भारद तिवारी, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा, अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय, डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता एवं अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी सहित कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राओं ने भी झाडू लगाकर लगातार 2 घन्टे तक विश्वविद्यालय परिसर, कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, छात्रावास, टीचर्स हास्टल सहित लगभग 2 कि.मी. क्षेत्र की निरन्तर सफाई कर स्वच्छता अभियान को सार्थक बनाया। पूर्व में कुलपति ने शपथ ग्रहण करवाई।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çfrd %
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh

Øekad 123
fnukad 06-10-2017

tuÑfofo dk 54ok¡ LFkkiuk fnol lekjksg vkt % fnuHkj vk;kstu

Ñf"k e=h xkSjh'kadj fclsu gksaxs eq[; vfrfFk % Ñ"kd oSKkfud f'k{kd ,oa Nk= gksaxs lEekfur

Ñf"k Kku ok.kh çlkj dsUnz ,oa Ñf"k çca/ku foHkkx ds uohu Hkouksa dk gksxk yksdkiZ.k

Ñf"k çn'kZuh vkSj Nk=ksa dh iksLVj çn'kZuh yxsxh

tcyiqj] 06 vDVwcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय का 54वॉ स्थापना दिवस समारोह कृषि महाविद्यालय सभागार में प्रातः 10.30 बजे कृषि मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित है। कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर अध्यक्षता करेंगे। पद्म भूशण प्रो. रामबदन सिंह कुलाधिपति केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल स्थापना दिवस व्याख्यान देंगे। विशेष अतिथि के रूप में श्री शरद जैन राज्यमंत्री, श्री राकेश सिंह सांसद (लोकसभा), श्री विवेक तन्खा सांसद (राज्यसभा), श्रीमति स्वाती गोडबोले महापौर, श्रीमति नन्दनी मरावी विधायक, श्रीमति प्रतिभा सिंह विधायक, श्री अशोक रोहाणी विधायक, श्री तरूण भनोट विधायक, श्री अंचल सोनकर विधायक, श्री सुशील तिवारी विधायक एवं श्रीमति मनोरमा पटेल अध्यक्ष जिला पंचायत आदि मंचासीन रहेंगे।

कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सेवाएं और उपलब्धियां अर्जित करने वाले प्रदेश के किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, शिक्षक एवं कृषि छात्रों को सम्मानित किया जायेगा। इस मौके पर कृषि प्रदर्शनी और छात्रों की पोस्टर प्रदर्शनी लगेगी। इसके साथ ही कृषि साहित्य का विमोचन होगा। पूर्व में प्रातः 8 बजे प्रक्षेत्र भ्रमण, अनुसंधान कार्यो का अवलोकन होगा। प्रातः 10 बजे कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन तथा कृषि ज्ञान वाणी प्रसार केन्द्र एवं कृषि प्रबंधन विभाग के नवीन भवनों का लोकार्पण होगा। प्रातः 10.30 बजे संकल्प से सिद्धी एवं कृषक वैज्ञानिक परिसंवाद होगा।

आयोजन की व्यवस्था हेतु आज संपंन बैठक में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। इस दौरान समारोह के नोडल अधिकारी व अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, लेखानियंत्रक श्री अनिल केशरवानी, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. भारद तिवारी, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा, अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय, डॉ.

श्रीमति ओम गुप्ता एवं अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी आदि अधिकारी उपस्थित थे।

okn&fookn çfr;ksfxrk lEiUu& स्थापना दिवस के तहत गत एक सप्ताह से विविध कार्यक्रम का सिलसिला जारी है। ''भावान्तर भुगतान योजना कृशकों के हित में है'' विशय पर डॉ. पी.के. मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रदेश के 6 कृशि महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शेखरसिंह बघेल तथा आभार प्रदर्शन डॉ. व्ही.के. प्यासी ने किया। निर्णायक की भूमिका डॉ. आर.के. सिंह प्रमुख वैज्ञानिक अटारी, डॉ. योगिता धरहे एवं डॉ. साक्षी वैश्म्पायन ने निभाई। इस मौके पर संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय, डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, डॉ. एल.पी.एस. राजपूत, डॉ. यू.के. खरे, डॉ. ए.के. सरावगी, डॉ. एस.के. समैया, डॉ. (श्रीमति) ऊशा भाले, डॉ. बी.एस. द्विवेदी एवं छात्रगण उपस्थित रहे।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çsl&dksLV | Øekad 124
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh | fnukad 07-10-2017

o"kZ 2022 rd ns'k ds fdlkuksa dh vk; nksxquh djus dk y{;& Ñf"k ea=h fclsu
i`.kZ xfjek vkSj mYykle; okrkoj.k esa euk;k x;k 54okW LFkkiuk fnol
Ñ"kd oKkfud vkSj Nk= gq;s lEekfur

tcyiqj] 07 vDVwcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आज पूर्ण गरिमा और उल्लासमय वातावरण में 54वॉ स्थापना दिवस मनाया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर मुख्य अतिथि मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, म.प्र. शासन श्री गौरीशंकर बिसेन ने कृषि ज्ञान वाणी प्रसार केन्द्र एवं कृषि प्रबंधन विभाग के नवीन भवनों का लोकार्पण तथा कृषि प्रदर्शनी का उद्‌घाटन किया। प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान धान एवं सोयाबीन की फसलों पर हो रहे अनुसंधान कार्यों का मुआयना किया।

श्री बिसेन ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा कि प्रधानमंत्री के आव्हान पर हमने वर्ष 2022 तक देश की किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में अल्पवर्षा होने से हम किसानों को पाइप के माध्यम से खेतों तक पानी पहुचायेंगे और भरपूर बिजली देंगे। हम 50 लॉख हेक्टयेर क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था करेंगे। भावान्तर कृशकों के हित में है इससे उन्हें उत्पाद का सही मूल्य मिल सकेगा। जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और एक बड़ी चुनौती है। इसके अनुरूप नवीन कृषि अनुसंधान की जरूरत है। उन्होंने प्रदेश में जैविक महाविद्यालय खोलने पर बल दिया। श्री बिसेन ने कृषि साहित्य का विमोचन एवं प्रगतिशील कृषक सर्वश्री अश्वनी सिंह चौहान उज्जैन, आकाश चौरसिया सागर एवं चैनसिंह बैस बालाघाट को वर्ष के कृषक फैलो अवार्ड के साथ ही 10 हजार का चैक प्रदान किया तथा जनेकृविवि के अनुसंधानकर्ता एवं सेवानिवृत्त कृषि वैज्ञानिक डॉ. अविनाश खत्री को शाल, श्रीफल और स्मृतिचिन्ह प्रदान कर लाईफटाईम अचीवमेन्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा ने अभिनंदन पत्र का वाचन एवं परिचय दिया।

पोस्टर प्रदर्शनी के विजेता छात्र कु. सृश्टि बिलैया, अलोक सेन व कु. अलका पात्रा को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से नवाज़ा गया। सांस्कृतिक दल एवं वाद विवाद प्रतियोगिता के छात्रों को भी सम्मानित किया गया।

अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने कहा देश के 90 प्रतिशत हिस्से में जनेकृविवि द्वारा विकसित प्रजातियां उगाई जा रही हैं। दुनिया में

सबसे पहले हमने रंगीन कपास पैदा किया। देश से मध्यप्रदेश का 35 प्रतिशत गेहूं निर्यात हो रहा है। समूचे विश्व में हमारी सोयाबीन तथा धान की हायब्रीड किस्में जानी जाती हैं। पिछले 20 वर्षों से सर्वाधिक प्रजनक बीज का उत्पादक कर हम देश में लगातार नं. वन है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के कुलाधिपति पद्म भूशण प्रो. रामबदन सिंह ने अपने स्थापना दिवस व्याख्यान में जनेकृविवि कि गत 5 दशकों की उपलब्धियों पर बधाईयां दी। उन्होंने देश में गरीबी और कुपोशण हटाने पर जोर देकर कहा कि विश्व में 800 मिलियन लोग कुपोशित हैं इनमें भारत के 200 मिलियन अर्थात एक चौथाई अकेले भारत में कुपोशित हैं। किसानों को उपज का उचित मूल्य एवं बाजार उपलब्ध करवाया जाये तो उनकी आय दुगनी होना संभव है। देश में कृशि पर 0.5 प्रतिशत खर्च होता है जो नाकाफी है। इसे 12 प्रतिशत तक लाना होगा। हम दलहन और तिलहन के आयात में 1 लाख करोड़ खर्च करते हैं। यह ठीक नहीं। इस राशि को अनुसंधान में खर्च करना होगा। ताकि उत्पादन में वृद्धि हो सके। किसान को कहीं भी अपना उत्पाद बेचने की छूट देनी होगी।

स्थापना समारोह में विशेष अतिथि के रूप में विधायक श्री सुशील तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति मनोरमा पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भारतसिंह यादव, कलेक्टर श्री महेशचन्द्र चौधरी, भापजा ग्रामीण अध्यक्ष श्री शिव पटेल, प्रमंडल सदस्य डॉ. अविनाश खत्री, श्रीमति आशा अरूण यादव एवं श्री अश्वनी सिंह चौहान आदि मंचासीन थे। अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. भारद तिवारी, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा एवं अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय, डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता ने अतिथियों का शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। पूर्व में सरस्वती पूजन वंदन एवं दीप प्रज्जवलन से समारोह का शंखनाद हुआ। इस दौरान कुलपति प्रो. तोमर ने नए भारत के संकल्प की शपथ ग्रहण करवाई। कृषक–वैज्ञानिक संवाद संगोश्ठी में किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित शर्मा एवं आभार प्रदर्शन उप–कुलसचिव डॉ. ए.के. सरावगी ने किया। समरोह में प्रदेश के 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक और अधिकारियों के साथ ही सैकड़ों की संख्या में कृषक उपस्थित थे। आकर्षक और ज्ञानवर्धक कृषि प्रदर्शनी में किसानों और छात्रों ने खास रूचि दिखाई।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çskd % Øekad 125
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 11-10-2017

tusÑfofo vkSj Nk=ksa ds e/; fopkj foe'kZ ds ckn gM+rky lekIr fofo ç'kklu us 31 vDVwcj rd lek/kku dk vk'oklu fn;k

tcyiqj] 11 vDVwcjA कृषि महाविद्यालय के छात्रों द्वारा कम्परिहेंसिव एग्जाम को लेकर की जा रही हड़ताल के संबंध में आज अपरान्ह जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्र प्रतिनिधियों के बीच सम्पन्न वार्ता के दौरान गहन विचार–विमर्श किया गया। जिसमें विवि प्रशासन ने 31 अक्टूबर 2017 तक समाधान करने का आश्वासन दिया। जिसे छात्रों ने स्वीकार कर लिया है। तदोपरान्त महाविद्यालय में नियमित शैक्षणिक कार्य आरंभ हो गये। इस मौके पर कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर, अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा एवं अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय, डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता एवं अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी एवं छात्र प्रतिनिधि मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çsd %
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh

Øekad 126
fnukad 13-10-2017

^^dkS'ky Hkkjr] dq'ky Hkkjr** dks lkdkj djuk gksxk

tus Ñf"k fofo esa Hkkjrh; Ñf"k dkS'ky ifj"kn~ ds rRok/kku esa çf'k{k.k laiUu

tcyiqj] 13 vDVwcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के मास्टर ट्रेनर्स हेतु भारतीय कृषि कौशल परिषद् (एग्रीकल्चर स्कीम कॉसिल ऑफ इंड़िया) द्वारा आयोजित 3 दिनी प्रशिक्षण में 31 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान जनेकृविवि के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक अनुसंधान सेवाऐं डॉ. धीरेन्द्र खरे, एग्रीकल्चर स्कीम कॉसिल ऑफ इंड़िया के सीनियर मैनेजर मो. मंसूद आलम एवं अन्य विशेषज्ञ उपस्थित थे। कुलपति प्रो. तोमर ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कृषि के क्षेत्र में भारतीय ग्रामीण युवाओं में विशेष कौशल विकसित करने पर जोर दिया। डॉ. आलम ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्रीजी के ‘‘कौशल भारत, कुशल भारत’’ के मंत्र को साकार करने हेतु कृषि के क्षेत्र में कौशल विकास की महती आवश्यकता है। संचालक अनुसंधान सेवाऐं डॉ. धीरेन्द्र खरे द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से विभिन्न कृषि महाविद्यालयों में पदस्थ युवा प्राध्यापकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए काउंसिल से भविश्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी तथा सह संचालक अनुसंधान डॉ. सुनील नहातकर ने किया। बिजनेस प्लानिंग एण्ड डेवलपमेंट यूनिट के दीपक पाल, कु. लवीना शर्मा एवं जय वर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çsl dk %
lpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh

Øekd 127
fnukd 13-10-2017

tuÑfofo esa fo'o [kk|
fnol dk vk;ktu 16 dks

tcyiqj] 13 vDVwcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में 16 अक्टूबर 2017 सोमवार को विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर खाद्य विज्ञान विभाग एवं इंडियन एसोसिऐशन आफ फूड साइंटिस्ट एवं टेक्नोलॉजिस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन होगा। इसमें देश के ख्यातिब्धल वैज्ञानिक डॉ. आर.टी. पाटिल भोपाल, डॉ. आर.एस. रघुवंशी इन्दौर एवं डॉ. एस.एल. कोरी जबलपुर अपना व्याख्यान देंगे। विभागाध्यक्ष डॉ. एल.पी.एस. राजपूत ने उपस्थिति की अपील की है।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çskd % Øekad 128
lpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 16-10-2017

çns'k esa Ñf"k okfudh ds fodkl dh vikj laHkkouk;sa
&MkW- fclsu

tuÑfofo esa 5 fnuh çf'k{k.k lEiUu

tcyiqj] 16 vDVwcjA मौसम की बदलती परिस्थितियों में किसान भाईयों को कृषि वानिकी भी अपनाना होगा ताकि आय को दोगुना किया जा सके। आज प्रदेश में कृषि वानिकी के विकास की अपार संभावनायें हैं। उक्त विचार जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के संचालक विस्तार सेवाऐं डॉ. पी.के. बिसेन ने कृषि वानिकी के पांच दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर कृषि विभाग के प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण–पत्र वितरित करते हुये व्यक्त किये।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अनय रावत ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वित्त पोषित अन्तर्गत विस्तार संचालनालय को कृषक कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के अधिकारियों हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किये जा रहे हैं। प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. एस.डी. उपाध्याय द्वारा विभिन्न कृषि वानिकी पद्धतियों पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं प्रक्षेत्र भ्रमण आयोजित किये गये। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. आर.के. बाजपेयी, डॉ. के.के. जैन, श्री ए.के. सिंह, श्री जावेद एवं रघुनाथ सिंह ठाकुर का सक्रिय योगदान रहा।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çskd %   Øekad 129
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh   fnukad 17-10-2017

xzkeh.k {ks=ksa esa lgHkkfxrk ls gks m|ksxksa dh LFkkiuk
[;kfryC/k oSKkfud MkW- vkj-Vh- ikfVy dk er
tuÑfofo esa fo'o [kk| fnol laiUu

tcyiqj] 17 vDVwcj विश्व खाद्य दिवस पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं इंडियन एसोसिएसन ऑफ फूड साइंटिस्ट एवं टेक्नोलॉजिस्ट के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित व्याख्यान माला में देश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिक डॉ. आर.टी. पाटिल भोपाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की उन्नति के लिये उसी क्षेत्र में उपलब्ध खाद्य संसाधनों का उपयोग कर किसानों की आय में बढोत्तरी की जा सकती है। श्री आर.एन. सूर्यवंशी इदौर ने ग्रामीण क्षेत्र में सहभागिता के आधार पर उद्योगों की स्थापना करने का आव्हान किया। वहीं श्री एस.एल.कोरी जबलपुर ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थपना के लिये सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। समारोह क अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा ने खाद्य सुरक्षा एवं संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. धीरेन्द्र खरे ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के माध्यम से किसानों की आर्थिक उन्नति पर जोर दिया। खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एल.पी. एस. राजपूत ने स्वागत भाशण में जनेकृविवि की उपलब्धियों पर प्रकाश ड़ाला। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. आर.के. नेमा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता एवं खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के समस्त वैज्ञानिक डॉ. (श्रीमति) अल्पना सिंह, डॉ. प्रतिभा परिहार, डॉ. एम.ए. खान, डॉ. राजेन्द्र सिंह ठाकुर एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस.एस. शुक्ला एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ए.के. गुप्ता ने किया।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

ç'kkd % | Øekad 130
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh | fnukad 25-10-2017

tuÑfofo ea enk LokLFk ij jk"Vªh; laxks"Bh 28 dks 11 jkT;ksa ds 200 Ñf"k oSKkfud 'kkfey gksaxs

tcyiqj] 25 vDVwcjA मृदा प्रकृति की अमूल्य संपदा है कृशि के क्षेत्र में टिकाऊ फसलोत्पादन हेतु इसकी उर्वरता एवं उत्पादकता के समुचित प्रयोग व प्रबंधन द्वारा स्थायी बनाए रखना हम सभी की मूलभूत जिम्मेदारी है क्योकि जब तक मृदा स्वस्थ नहीं रहेगी कृशि क्षेत्र में विभिन्न अनुसंधानों के अनुरुप अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होगे।

स्वतंत्रता प्राप्ति के प चात् भारतवर्श की खाद्य अर्थव्यवस्था ने एक संपूर्ण चक्र पूर्ण कर लिया है जो खाद्यानों की कमी से प्रारंभ होकर खाद्यानों की आत्मनिर्भरता के भीर्श पर पहुँची हुई हैं लेकिन भविश्य में फसलोत्पादन में स्थिरता आने के कारण एवं जनसंख्या में निरंतर वृद्धि के साथ इस आत्मनिर्भरता पर एक प्र न चिन्ह लगने की संभावना है। वर्तमान में भारतीय कृशि, फसलोत्पादन में स्थिरता गिरावट आने की समस्या से ग्रसित है, जिसका प्रमुख कारण मृदा स्वास्थ्य में गिरावट है। सघन कृशि के कारण मृदा पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है, जिसके कारण मृदा वातावरण एवं उसमें उपस्थित पौध पोशक तत्वों में निरंतर गिरावट आ रही है अतः टिकाऊ कृशि के लिए समगतिशील सुधार करना अति आव यक है। मृदा स्वास्थ्य एवं उसकी उर्वरता में लगातार ह्यस से मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में गिरावट के फलस्वरुप खाद्य एवं पोशण सुरक्षा के साथ फसलोत्पादन में स्थिरता के साथ कहीं–कहीं गिरावट आने के कारण बढती आबादी के सापेक्ष में आने वाले समय में आव यकतानुसार खाद्योत्पादन हेतु प्र न चिन्ह लगने की संभावना है।

उपरोक्त राश्ट्रीय समस्या को ध्यान में रखकर जवाहरलाल नेहरु कृशि विश्वविद्यालय एवं भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी के जबलपुर चेप्टर, जी.के.व्ही. सोसायटी, आगरा एवं मृदा विज्ञान व कृशि रसायन भाास्त्र विभाग, कृशि महाविद्यालय, जबलपुरय द्वारा संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राश्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन LFkk;h vkSj iks"k.k;qDr [kk|ku mRiknu ds fy, enk LokLF; çcU/ku विशय पर दिनांक 28–29 अक्टूबर, 2017 को आयोजित किया गया है वर्तमान समय में मृदा स्वास्थ्य अति महत्वपूर्ण विशय है, समगति ील फसलोत्पादन व पोशण खाद्य उत्पादकता को बढ़ाने में मृदा स्वास्थ्य की अहम भूमिका हैं, यदि मृदा स्वस्थ्य रहेगी तो खाद्योत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकेगा। इन्ही सब अतिमहत्वपूर्ण उद्धे यों को ध्यान में रखकर यह दो दिवसीय राश्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा हैं।

इस राश्ट्रीय सम्मेलन मे पूरे भारत के 11 राज्यों के अनुसंधान से जुड़े लगभग 200 कृशि वैज्ञानिक एवं छात्र–छात्राऐं भाग लेगें जिसके अंतर्गत वे वर्तमान में गति ील अनुसंधान कार्यो की जानकारी पॉवर प्वाइंट प्रदर्शन, पोस्टर एवं परिचर्चा के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. विनय सिंह ने बताया कि वर्तमान में सस्टेनेबल एवं न्यूट्रीशनल फूड प्रोडक्शन हेतु मृदा स्वास्थ्य को सही व सटीक प्रबंधन अतिमहत्वपूर्ण है। इसी दिशा में यह सम्मेलन किया जा रहा है। जिसमें राश्ट्रीय स्तर के 200 कृशि वैज्ञानिक जो मृदा स्वास्थ्य के हर पहलू पर कार्य कर रहे हैं अपनी भागीदारी निभायेंगे साथ ही मौखिक एवं पोस्टर प्रदर्शन के माध्यम से अनुसंधान के कार्यों का मंथन होगा। आयोजक सचिव डॉ. बी. सच्चिदानंद ने बताया कि राश्ट्रीय सम्मेलन हेतु तैयारी पूर्णता की ओर है।

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी हेतु कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन में एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा की अध्यक्षता में विभिन्न समितियों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। सभी अधिकारियों ने अपने कार्यो की जानकारी एवं तैयारी हेतु अपनी जानकारी दी। बैठक में संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र डॉ. एल.पी.एस. राजपूत,, विभागाध्यक्ष डॉ. एस.डी. उपाध्याय, राश्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव, डॉ. बी. सच्चिदानंद, डॉ. आर.एम.साहू, डॉ. राजेश पचौरी, डॉ. ए.के. द्विवेदी, डॉ. एच.के.राय, डॉ. बी.एस. द्विवेदी, डॉ. एस.एस. बघेल आदि उपस्थित रहे। इस दो दिवसीय राश्ट्रीय सम्मेलन में राश्ट्रीय स्तर के ख्यातिलब्ध कृशि वैज्ञानिक भाग ले रहें हैं।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çskd %   Øekad 131

lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh   fnukad 26-10-2017

---

tuÑfofo dh

uokxr dqyifr Mkå fclsu dk vHkwriwoZ Lokxr 23 uoEcj dks djsaxs inHkkj xzg.k

tcyiqj] 26 vDVwcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के नवागत कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन का विश्वविद्यालय पहुॅचने पर अभूतपूर्व स्वागत किया गया। उन्हें बधाईयां देने शिक्षक, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्रों का दिनभर तांता लगा रहा। यहां जबरदस्त उत्साह देखने को मिला जब छात्रों ने उन्हें 1 हजार फूलों से निर्मित 15 फीट लम्बी माला पहनाकर शहनाई वादन के बीच उत्साह में जोशीले नारे लगाये। ढ़ोल की थाप के बीच पटाके और आतिबाजी के भी नजारे देखने को मिले। प्रत्युत्तर में डॉ. बिसेन ने विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर उन्नति हेतु कृतज्ञता ज्ञापित करते हुये कृशक और छात्र हित में सबको साथ लेकर चलने का विश्वास दिलाया। उल्लेखनीय है कि 23 नवम्बर को डॉ. बिसेन कुलपति का पदभार ग्रहण करेंगे। इस दिन तत्कालीन कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर का 5 वर्शों का कार्यकाल पूर्ण होगा।

&000&

tokgjyky ugsg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çsÿkd %
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh

Øekad 132
fnuakd 26-10-2017

tuÑfofo esa fdlkuksa dks vkS"k/kh; ikS/kksa dk çf'k{k.k

tcyiqj] 26 vDVqcjA औषधीय एवं सगंध पौधे हमारी पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों के आधार स्त्रोत है साथ ही ये औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधे है जिसका हमारी जीवन में सामाजिक, आर्थिक एवं व्यापारिक मूल्य है। भारतीय कृषि तंत्र में इनकी प्रमुख भूमिका शस्य विविधिकरण के कारण सर्वमान्य है। औषधीय पौधों की असीम क्षमता का उपयोग हमारे कृषक बन्धुओं के आर्थिक व सामाजिक उत्पादन के लिये इन पौधो का संरक्षण, संवर्धन, कृषिकरण, प्रसंस्करण व मूल्यवर्धन तकनीक द्वारा किया जा सकता है।

वनों से संग्रहण औषधीय पौधों को प्राप्त करने का एक प्राचीन तरीका सदियों से उपयोग में लाता जा रहा है। परन्तु अवैज्ञानिक विदोहन इस अमूल्य प्राकृतिक उपहार को क्रमशः समाप्त करने की ओर अग्रसर है। अतः जनजातियों का इन पौधों के संरक्षण व उन्नत कृषि की तकनीकी जानकारी से प्रशिक्षत कर हम अपनी वन सम्पदा को अगली पीढ़ियों के लिये रक्षित रख सकते है तथा व्यापारिक कृषि करके औषध उद्योग को सत्‌त कच्चा औषध पदार्थ उपलब्ध करा सकते साथ ही जनजातीय समूह को जीवन स्तर का उनन्यन भी किया जा सकता है।

इन सभी प्रमुख उददेश्यों का दृष्टिगत रखते हुये जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय के पादप कार्यिकी विभाग द्वारा विज्ञान एवं तकनीकी विभाग विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं अखिल भारतीय समन्वित औषधीय संगधीय एवं पान अनुसंधान परियोजना, भाकृअप नई दिल्ली परियोजनाओं के अतंर्गत जनजातीय क्षेत्र के कृषकों के लिये औषधीय पौधो की उन्नत कृषि प्रसंस्करण, मूल्य वर्धन एवं संरक्षण तकनीक पर एक दिवसिय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अश्वगंधा, कालमेघ, सतवार की उन्नत कृषि तकनीक, उनके रोग व्याधि नियंत्रण, औषधीय पौधों की कृषि किस प्रकार की जाती है आदि विषयों पर आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. ए.एस. गोंटिया, डॉ. एस. डी. उपाध्याय, डॉ. एस. के. द्विवेदी, डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी, डॉ. विभा, रंजीत धाकड़ एवं डॉ. प्रीति नायक द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी के मिश्रा, संचालक अनुसंधान एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता डॉ. ओम गुप्ता ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। वाटरशेड़ समिति बिलटुकरी कुण्ड़म से टीम लीडर रामलखन धाकड़ व वाटरशेड़ समिति अध्यक्ष खेतू सिंह ककोटिया द्वारा कृषकों को प्रशिक्षण में लाने में विशेष सहयोग किया गया।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyij
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çs"kd % Øekad 133
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh fnukad 27-10-2017

tuÑfofo e
lLVucy ,o ik"k.k lc/kh [kkn; mRiknu gr emnk LokLF; çc/ku ij 2 fnuh jk"Vh; lEeyu vkt l

tcyij] 27 vDVcjA मृदा स्वास्थ्य एवं उसकी उर्वरता में लगातार ह्रास से मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में गिरावट के फलस्वरुप खाद्य एवं पोशण सुरक्षा के साथ फसलोत्पादन में स्थिरता के साथ कहीं–कहीं गिरावट आने के कारण बढती आबादी के सापेक्ष में आने वाले समय में आव यकतानुसार खाद्योत्पादन हेतु प्र न चिन्ह लगने की संभावना है।

उपरोक्त राश्ट्रीय समस्या को ध्यान में रखकर जवाहरलाल नेहरु कृशि विश्वविद्यालय एवं भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी के जबलपुर चेप्टर, जी.के.व्ही. सोसायटी, आगरा एवं मृदा विज्ञान व कृशि रसायन भाास्त्र विभाग, कृशि महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राश्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन ^^LFkk;h vkj ik"k.k;Dr [kkn; mRiknu d fy, enk LokLF; çc/ku** विशय पर आज दिनांक 28–29 अक्टूबर, 2017 को वेटनरी विवि के कुलपति प्रो. पी.डी. जुयाल के मुख्यातिथ्य एवं जनेकृविवि कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर की अध्यक्षता में प्रातः 10.30 बजे कृशि महाविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया है। वर्तमान समय में मृदा स्वास्थ्य अति महत्वपूर्ण विशय है, समगति ील फसलोत्पादन व पोशण खाद्य उत्पादकता को बढ़ाने में मृदा स्वास्थ्य की अहम भूमिका हैं, यदि मृदा स्वस्थ्य रहेगी तो खाद्योत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकेगा। इन्ही सब अतिमहत्वपूर्ण उद्दे यों को ध्यान में रखकर यह दो दिवसीय राश्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा हैं।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. विनय सिंह ने बताया कि इस राश्ट्रीय सम्मेलन मे पूरे भारत के 11 राज्यों के अनुसंधान से जुड़े लगभग 200 कृशि वैज्ञानिक एवं छात्र–छात्राऐं भाग लेगें जिसके अंतर्गत वे वर्तमान में गति ील अनुसंधान कार्यो की जानकारी पॉवर प्वाइंट प्रदर्शन, पोस्टर एवं परिचर्चा के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। जिसमें राश्ट्रीय स्तर के 200 कृशि वैज्ञानिक जो मृदा स्वास्थ्य के हर पहलू पर कार्य कर रहे हैं अपनी भागीदारी निभायेंगे साथ ही मौखिक एवं पोस्टर प्रदर्शन के माध्यम से अनुसंधान के कार्यों का मंथन होगा। आयोजक सचिव डॉ. बी. सच्चिदानंद ने बताया कि राश्ट्रीय सम्मेलन हेतु तैयारी पूर्णता की ओर है।

राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी हेतु कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन में एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा की अध्यक्षता में विभिन्न समितियाँ कार्य कर रही हैं। संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के बिसेन, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. आर.के नेमा, अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय, डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. भारद तिवारी, संचालक जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र डॉ. एल.पी.एस. राजपूत, विभागाध्यक्ष डॉ. एस.डी. उपाध्याय, राश्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. बी. सच्चिदानंद, डॉ. आर.एम.साहू, डॉ. राजेश पचौरी, डॉ. ए.के. द्विवेदी, डॉ. एन.जी. मित्रा, डॉ. एस.एस. बघेल, डॉ. अल्पना सिंह, डॉ. व्ही.के. प्यासी एवं इंजी. पी.के. सिंह आदि विभिन्न समितियों के चेयरमैन द्वारा राश्ट्रीय संगोश्ठी हेतु तैयारियाँ की जा रही है।

jk"Vh; lEeyu e D;k g [kkl&%

- मृदा के स्वास्थ्य पर वैज्ञानिकों द्वारा मंथन।
- राश्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेंगे 11 राज्यों के कृशि वैज्ञानिक।

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

- कृशि के छात्र–छात्राओं को भविश्य की कृशि चुनौतियों हेतु अनुसंधान की मिलेगी जानकारी।
- 4 थीम पर पोस्टर प्रदर्शन एवं मौखिक प्रद र्न।
- कृशकों को मृदा स्वास्थ्य व सही पोशक तत्व प्रबंधन की मिलेगी वैज्ञानिक जानकारी।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyij
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çskd %
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh

Øekd 134
fnukd 27-10-2017

Ñf"k foKku dUn tcyij e tuÑfofo d uofu;Dr dyifr Mk- ih-d- fclu dk Lokxr

tcyij] 27 vDVcjA जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय के 15वें कुलपति के रूप में नवनियुक्त कुलपति व वर्तमान में संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन के स्वागत में स्वागत समारोह का आयोजन कृशि विज्ञान केन्द्र जबलपुर के प्रमुख डॉ. डी.पी. शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशेश आंमत्रित अतिथि के रूप में अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एन.के. रघुवंशी, डॉ. एम.एल. साहू, डॉ. पी.के. सिंह, डॉ. यू.के. खरे, डॉ. अभिशेक शुक्ला, डॉ. एस.के. जैन, डॉ. वाय.एम. शर्मा कृशि विज्ञान केन्द्र रीवा से डॉ. अजय पाण्डे, पन्ना से डॉ. बी.एस. किरार आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ. सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जल्वन कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. पी.के. बिसेन ने किसानों की आय 2022 तक 2 गुनी करने हेतु कृशि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को रणनीति तैयार कर सकारात्मक दिशा में योगदान देने की बात कहीं

कार्यक्रम में कृशि विज्ञान केन्द जबलपुर के वैज्ञानिक व कर्मचारी डॉ. मोनी थामस, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. सिद्धार्थ नायक, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. नितिन सिंघई, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. प्रमोद शर्मा, श्रीमति जीजीएनी, श्री एस.के. मिश्रा, श्रीमति किरण बाजपेयी, श्री विशाल साहू आदि ने पुश्पगुच्छ एवं पुश्पहार पहनाकर स्वागत किया।

&000&

e`nk e fNik g euq"; d LokLF; dk jgL;

tuÑfofo e lLVucy ,o ik"k.k lc/kh [kkn; mRiknu grq e`nk LokLF; çc/ku ij 2 fnuh jk"Vh; lEeyu mn?kkfVr

dqyifr çk- rkej dk ykbQVkbe vphoeUV vokMl

tcyi|j] 28 vDVcjA जवाहरलाल नेहरु कृशि विश्वविद्यालय एवं भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी के जबलपुर चेप्टर, जी.के.व्ही. सोसायटी, आगरा एवं मृदा विज्ञान व कृशि रसायन भाास्त्र विभाग, कृशि महाविद्यालय, जबलपुर की संयुक्त तत्वाधान में आज अपरान्ह जनेकृविवि में दो दिवसीय राश्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुये नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.डी. जुयाल ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा कि मृदा स्वास्थ्य एवं उसकी उर्वरता में लगातार ह्रास से मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में गिरावट के फलस्वरुप खाद्य एवं पोशण सुरक्षा के साथ फसलोत्पादन में स्थिरता के साथ ही कहीं–कहीं गिरावट आने के कारण बढती आबादी के सापेक्ष में आने वाले समय में आव यकतानुसार खाद्योत्पादन हेतु प्र न चिन्ह लगने की संभावना है। समारोह के अध्यक्ष कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मृदा में छिपा है मनुष्य के स्वास्थ्य का रहस्य। यदि खेत की मिट्टी स्वस्थ्य होगी तो मानव को पौश्टिक आहार प्राप्त होगा, जिससे मानव स्वस्थ्य में श्रीवृद्धि होगी। जी.के.व्ही. सोसायटी, आगरा एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. विनय सिंह ने स्वागत भाशण में बताया कि इस राश्ट्रीय सम्मेलन मे सम्रग भारत के 11 राज्यों के अनुसंधान से जुड़े लगभग 200 कृशि वैज्ञानिक एवं छात्र–छात्राऐं भाग ले रहे हैं। जिसके अंतर्गत वे वर्तमान में गति ील अनुसंधान कार्यो की जानकारी पॉवर प्वाइंट प्रदर्शन, पोस्टर एवं परिचर्चा के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। जिसमें राश्ट्रीय स्तर के 200 कृशि वैज्ञानिक जो मृदा स्वास्थ्य के हर पहलू पर कार्य कर रहे हैं अपनी भागीदारी निभायेंगे साथ ही मौखिक एवं पोस्टर प्रदर्शन के माध्यम से अनुसंधान के कार्यों का मंथन होगा। इस मौके पर नवनियुक्त कुलपति एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी. के. बिसेन, अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा एवं अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय तथा डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता आदि मंचासीन थे। इस दौरान कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर को जहां लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड से नवाजा गया, वहीं सेवानिवृत्त कृशि वैज्ञानिक डॉ. जी.डी. अग्रवाल एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी. सच्चिदानंद को स्पेशल अवार्ड से सम्मानित किया गया। इन्हें शाल, श्रीफल और प्रतीक चिन्ह अर्पित किए गये। समारोह में अतिथियों ने कृशि साहित्य एवं सेमीनार स्मारिका का भी विमोचन किया। छात्राओं द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व में मॉ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जल्वन एवं स्वरचित्र वंदना गीत के साथ किया गया। सेमीनार में तकनीकी सत्रों में आज मृदा के स्वास्थ्य पर वैज्ञानिकों द्वारा मंथन हुआ। कृशि के छात्र–छात्राओं को भविश्य की कृशि चुनौतियों हेतु अनुसंधान की जानकारी मिली तथा 4 थीम पर पोस्टर प्रदर्शन एवं मौखिक प्रद न किया गया और मृदा स्वास्थ्य व सही पोशक तत्व प्रबंधन की वैज्ञानिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन e`nk वैज्ञानिक डॉ. शेखरसिंह बघेल व आभार प्रदर्शन आयोजक सचिव डॉ. बी. सच्चिदानंद ने किया। आज 29 ता. को सेमीनार का समापन होगा।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çs"kd % Øekad 136
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 30-10-2017

lsokfuo`fRr

t-us- —f"k fo-fo-
,l-ds- feJk gksaxs lsokfuo`Rr

tcyiqj 30 vDVwcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र में पदस्थ शीघ्रलेखक श्री एस.के. मिश्रा आज 30 अक्टूबर 2017 को अपनी 40 वर्षीय सेवाओं के उपरान्त सेवानिवृत्त होंगे।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
l|puk ,o tulEidl foHkkx

çskd % Øekd 137
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh fnukd 30-10-2017

tu Ñf"k fofo e
e`nk eFku d lkFk nk fnolh; jk"Vªh; lxks"Bh lEiUu

tcyiqj 30 vDVcjA जवाहरलाल नेहरु कृशि विश्वविद्यालय एवं भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी के जबलपुर चेप्टर, जी.के.व्ही. सोसायटी, आगरा एवं मृदा विज्ञान व कृशि रसायन भाास्त्र विभाग, कृशि महाविद्यालय, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में ^^LFkk;h vkj ik"k.k;Dr [kk| mRiknu d fy, e`nk LokLF; çca/ku** विशय पर आयोजित दो दिवसीय राश्ट्रीय सम्मेलन का गहन विचार–विमर्श और मंथन के साथ समापन हुआ। वर्तमान समय में मृदा–स्वास्थ्य अति महत्वपूर्ण विशय है, समगति ाील फसलोत्पादन व पोशण खाद्य उत्पादकता को बढ़ाने में मृदा स्वास्थ्य की अहम भूमिका हैं, यदि मृदा स्वस्थ्य रहेगी तो खाद्योत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकेगा। इन्ही सब अतिमहत्वपूर्ण उद्धे यों को ध्यान में रखकर यह दो दिवसीय राश्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

इस राश्ट्रीय सम्मेलन मे पूरे भारत के 11 राज्यों के अनुसंधान से जुड़े 200 कृशि वैज्ञानिक एवं छात्र–छात्राओं ने भाग लिया जिसके अंतर्गत वर्तमान में गति ाील अनुसंधान कार्यो की जानकारी पॉवर प्वाइंट प्रदर्शन, पोस्टर एवं परिचिर्चा के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. प्रदीप डे, प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर, एस.टी.सी.आर एवं अध्यक्ष कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने मृदा स्वास्थ्य विशय पर अपने–अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान अधिश्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी. सच्चिदानंद मंचासीन रहे। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. विनय सिंह ने बताया कि वर्तमान में सस्टेनेबल एवं न्यूट्रीशनल फूड प्रोडक्शन हेतु मृदा स्वास्थ्य का सही व सटीक प्रबंधन अतिमहत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन मृदा वैज्ञानिक डॉ. भोखर सिंह बघेल व आभार प्रदर्शन वरिश्ठ वैज्ञानिक एवं सह आयोजक सचिव डॉ. एच.के. राय, द्वारा किया गया।

समापन के दौरान सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। जिनमें आउटस्टेंडिग साइंटिस्ट अवार्ड– डॉ. रामेश्वर सिंह, डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, डॉ. एस. आर.भार्मा, डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. संदीप सिंह तोमर, डॉ. तपन कुमार सिंह, डॉ. सीमा चौधरी, डॉ. एस.एस बघेल, यंग साइंटिस्ट अवार्ड–डॉ. आर.के.साहू, डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. अमित कुमार झा, डॉ. रश्मि पवार, डॉ. (श्रीमति) बीना सिंह, डॉ. भावना भार्मा, डॉ. जगेन्द्र सिंह एवं डॉ. योगेश पटेल बेस्ट पोस्टर प्रजेंटेशन अवार्ड – श्री एफ.सी. अमूले, डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, श्री अंकित कुमार, श्री जी.एस.टैगोर एव ंश्री बी.के. तिवारी एवं बेस्ट थीसिस अवार्ड– डॉ. राहुल कुमार, श्री दीपांशु मुखर्जी, श्री बबलू चौहान, श्री चिरंजीव कुमावत एवं श्री अंकित ठाकुर को सम्मानित गया।

संगोश्ठी में डॉ. एन. जी. मित्रा, डॉ. ए.के द्विवेदी, डॉ. बी.एस. द्विवेदी, डॉ. ए. के. उपाध्याय, डॉ. जी. एस. टेगौर, डॉ. राके ा साहू, फूलचंद अमूले, अभिशेक भार्मा, डॉ. विनोद कुमार, गोपाल हलेचा, राजकुमार काछी एवं मृदा विज्ञान विभाग के सभी कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही।

&000&